

अंग्रेजी जमाने के, अंग्रेजी शासन के मददगार रहे हैं और उनको यह विश्वविद्यालय बिल्कुल फूटी-आंखों नहीं सुहाता है, व इस को तबाह करने पर लगे हुए हैं।

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय . . .

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

12.40 hrs.

STATEMENT RE. SITUATION ON
INDO-PAKISTAN BORDER

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): Mr. Speaker, Sir, since a large number of questions have been asked by hon'ble Members about the military build-up in Pakistan, I have considered it appropriate to make a brief general statement on this subject. As members will no doubt realise, I can only give broad indications. It will not be in public interest for me to discuss details.

Government are aware that ever since the periods of Indo-Pakistan conflict in September 1965, Pakistan has been making all-out efforts to increase its armed strength. Very sizable new raisings of armed personnel have been taken up and equipment for the Pakistan Army, Air Force and Navy obtained. New fixed defences are being constructed and others improved. Ordinance factories are being set up and expanded.

In the Pakistan-occupied area of Jammu and Kashmir there has been an increase in the strength of Armed Forces. Communications improvement, from the military point of view, has also been going on apace. The training of irregulars has been continuing. Pakistan has also increased its troops and air force in East Pakistan.

In these large-scale preparations Pakistan has been receiving a large

measure of help from China, by way of supply of equipment, including tanks and aeroplanes, and foreign exchange for purchase of arms elsewhere. Chinese assistance for training of armed personnel has also come to notice. Pakistan has also obtained assistance of one or two other countries for the supply of arms and equipment and, as intermediaries, for purchase of equipment in countries which would not directly sell to Pakistan.

We hope that Pakistan will honour its obligations under the Tashkent Agreement not to have recourse to force. As a step necessary towards this, Pakistan should normalise its relations with India. Be that as it may, the House may rest assured that Government are alive to their primary duty of maintaining the security and territorial integrity of the country and will deal with any development according to the needs of the situation.

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद):
ऐसा पिछले 20 वर्ष से खूब कर रहे हो और
वसा ही आगे भी करोगे।

Shri Hem Barua (Gauhati): On a point of clarification.

Mr. Speaker: Not now.

12.43 hrs.

RE. RIGHTS OF SUSPENDED
MEMBERS

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, ऐलान करने से पहले मैं एक जानकारी आप की माफत चाहूंगा और वह यह कि मेरे दल के एक सदस्य की श्री बुद्धप्रिय मौर्य को 15 दिन के लिए सदन से मुअत्तिल किया गया है। श्री मौर्य पब्लिक एकाउन्ट्स कमेटी के सदस्य हैं। आज पब्लिक एकाउन्ट्स कमेटी की एक एक्स्ट्राआर्डिनरी मीटिंग शाम को हो रही है जिसमें मंत्री महोदय गवाही देने के लिए पेश होंगे और जिस में कि कमेटी हाउस के प्रोसीज्योर के विरुद्ध कार्य करने जा रही है।

[श्री बागड़ी]

अब पब्लिक एकाउन्ट्स कमेटी की बैठक कोई इस सदन की तरह से अध्यक्ष के अधीन तो होती नहीं है और उस में श्री मौर्य के जाने पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए और उस के अन्दर उन्हें जाने की इजाजत दी जाय। इस के लिए मैं आपसे पहले व्यवस्था चाहता हूँ और उस के बाद मैं ऐलान करूंगा।

अध्यक्ष महोदय : मेरी व्यवस्था यही है कि जब कोई मेम्बर सर्विस ऑफ दी हाउस से सस्पेंड किया जाता है तो उस सस्पेंडड मेम्बर का पार्लियामेंटरी कमेटी को अटेंड करना या वहां काम करना भी मना है क्योंकि पार्लियामेंटरी कमेटी में जाना और काम करना भी सर्विस ऑफ दी हाउस से अलहदा नहीं है।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, यह कैसे

अध्यक्ष महोदय : अब यह बहस की बात नहीं है क्योंकि जो नियम हैं उस के अनुसार मैं ने व्यवस्था दे दी है।

—

12.44 hrs.

RE. ADDITION OF MEMBER TO
S. S. P. GROUP

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के अन्दर हर्ष के साथ इस बात का ऐलान करता हूँ कि चौधरी लाखन दास जोकि इस सदन के एक माननीय सदस्य हैं उन्होंने संयुक्त समाजवादी दल के अन्दर लोक सभा में स्थान ग्रहण कर लिया है।

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : इस संबंध में मेरा एक व्यवस्था का सवाल है। संयुक्त समाजवादी दल इस समय 11 सदस्यों का हो गया है और हमारे दल के

नेता को सदन में दल की संख्या के अनुरूप जगह मिलनी चाहिए। यह सवाल कई दफे उठाया जा चुका है लेकिन कभी भी इस पर फंसला नहीं हो पाता है हमारे दल के नेता की यहां हाउस में बैठने की जगह हमारे दल की यहां पर संख्या के अनुसार होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : यह बात बिलकुल ठीक है। मेरे नोटिस में यह चीज दो, तीन दफे लाई गई है। पिछली दफे जब सेशन चल रहा था और उस के दरमियान में यह मामला उठाया गया था तो मैं ने कहा था कि सेशन के दरमियान में मैं कोई देखल नहीं देना चाहता। अब जब सेशन शुरू हुआ है तो वाकई उनकी यह बात जायज थी कि उन की संख्या के मुताबिक उनके दल के नेता को यहां पर जगह दी जाये। इस बारे में शायद परसों इनके नेता भी मुझसे मिले थे। मैंने कहा था कि मैं इसकी कोशिश कर रहा हूँ और विचार कर रहा हूँ कि कहीं न कहीं से जगह तलाश करूँ और उनको जगह दूँ। (हंसी) हंसी की मैंने तो कोई बात नहीं की है अगर कुछ गलत निकल गया हो तो मैं माफी चाहता हूँ।

डा० राम मनोहर लोहिया : उन को हंस लेने दीजिये। हंसने का वक्त आयेगा आखिर में बहुत अच्छी तरह।

अध्यक्ष महोदय : डा० साहब मैं बड़ी संजीदगी से इस बात को कह रहा हूँ।

डा० राम मनोहर लोहिया : आप की बात मैं समझ रहा हूँ बाकी उधर के वह लोग तो नासमझी करते हैं।

अध्यक्ष महोदय : मुझे थोड़ा वक्त दीजिये ताकि मैं इसको कर सकूँ।

—